प्रयासों के परिणामस्वरूप, कपास की दो किस्में बोने के लिए उड़ीसा तथा महाराष्ट्र में जारी की गई है। इस के अतिरिक्त, रोग रोधी बाजरा की नर ऊसर संकर किस्मों का उपयोग नई-नई संकर किस्मों के बनाने के लिए किया गया है जिनकी शिनाख्त अखिल भारतीय समन्वित बाजरा सुधार प्रयोजनों की वर्कशाप द्वारा पहले ही की जा चुकी है। संबंधित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रयोजनाओं द्वारा खोली गई पद्धति के अनुसार इस से पहले कि वे किसानों तक पहुचें, गेहूं, जौ तथा चावल के उपयोगी म्यूटेंटों के आगे के परीक्षण किये जा रहे हैं।

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर तथा इसके क्षेत्रीय केन्द्र रावलपुरा, श्रीनगर (जम्मू. कश्मीर) द्वारा विकसित वेक्सीन, भेडों के लंगवर्म रोग पर नियंत्रण पाने की दृष्टि से अत्यन्त प्रभावकारी पाई गई। भूटान के पशु पालन विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य प्रजनन फार्म ऋषिकेश तथा जम्मू कश्मीर के भेड़ विभाग को अधिक मात्रा में खुराक दी गयी। वैक्सीन ने सरकारी फार्मों तथा निजी प्रजनन कर्त्ताओं दोनों स्थानों पर प्रभाव किया। इस वैक्सीन ने किसानों को आर्थिक लाभ पहुंचाया है।

त्रिभाषा सिद्धान्त

119. **श्री नवाब सिंह चौहान:** क्या **शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) त्रिभाषा सिद्धान्त लागू करने के बारे में क्या प्रगति हुई है तथा क्या सरकार का विचार इसमें कुछ परिवर्तन करने का है ;

(ख) यदि हा, तो वह क्या है तथा उसमें कब तक परिवर्तन किया जाएगा ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्दर): (क) और (ख) : त्रिभाषा फार्मूला मुख्यत: राज्य सरकारों की जिम्मेवारी है। यह फार्मूला भारत सरकार ने राज्य सरकारों के परामर्श से तथा केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड की सलाह पर, जिन्होंने भाषा के प्रश्न पर 1956 में गहराई से विचार किया था, तैयार किया गया था। अगस्त 1961 में हुई राज्यों के मुख्यमंत्रियों तथा केन्द्रीय मंत्रियों की बैठक में इस फार्मूले को सरल बनाया गया और राज्यों में उसे अपनाने के लिए अपनी सहमति दी।

प्राप्त सूचना के अनुसार त्रि-भाषा फार्मूला कुछ मामलों में स्थानीय संशोधनों के साथ, तमिलनाडु, नागालैंड, मिजोरम तथा पाण्डुचेरी (पाण्डुचेरी तथा कराइकल क्षेत्र) को छोड़ कर सभी राज्यों में लागू है। तमिलनाडु राज्य विधान सभा द्वारा 1968 में पास किए गए संकल्प के फलस्वरुप द्वि-भाषा फार्मूला अपना रहा है। क्योंकि नागालैण्ड में अंग्रेजी राज भाषा है, इस लिए वहां त्रि-भाषा फार्मूला नहीं अपनाया जा रहा है। मिजोरम में हिन्दी को अध्यापन पाठ्यचर्या में शामिल करना अभी तक सम्भव नहीं हो सका है। पाण्डुचेरी में (पाण्डुचेरी और कराइकल क्षेत्र) स्कूलों में तमिलनाडु पाठ्यक्रम अपनाना होता है। इसके अतिरिक्त कुछ हिन्दी भाषी राज्यों में किसी दक्षिण भारतीय भाषा को तीन भाषाओं में से एक के रूप में पढ़ाना अभी तक संभव नहीं हो सका है।

त्रि-भाषा फार्मूला में किसी प्रकार के परिवर्तन को लाने का इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है।

अलीगढ़ में अनाज क्रय केन्द्र

120. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अलीगढ़ जिले में पिछले वर्ष की भांति इस बार अनाज क्रय केन्द्र नहीं खोले गए है; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और क्या गत वर्ष और इस वर्ष विभिन्न सरकारी एवं सहकारी एजेंसियों द्वारा खोले गए ऐसे केन्द्रों की सूची सभा पटल पर रखी जाएगी ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री प्रकाश सिंह बादल) : (क) और (ख) : उत्तर प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि 1977–78 के दौरान अलीगढ़ जिले में 90 क्रय केन्द्र खोले गए हैं जबकि पिछले वर्ष 106 केन्द्र खोले गए थे। उत्पादक पर लेवी बन्द करने के कारण इस वर्ष कम संख्या में केन्द्र खोले गए है। दो वर्षों के दौरान खोले गए क्रय केन्द्रों का ब्यौरा विवरण 1 और 2 मे दिया गया है, जो सभा पटल पर रखा गया है [ग्रन्थालय म रखा गया **देखिए** संख्या एल टी—299 77)]

अलीगढ़ म समाज कल्याण योजनाएं

121. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या **शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अलीगढ़ जिले में उनके मंत्रालय की कौन कौन सी मुख्य समाज कल्याण योजनाएं चल रही हैं, उन में कितने कर्मचारी काम कर रहे हैं तथा अब तक उनकी क्या उपलब्धियां रही हैं; और

(ख) क्या इन योजनाओं को राज्य सरकार द्वारा चलाया जा रहा हैं और यदि हां, तो उसमे उसका कितना अंश है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्दर) : (क) और (ख) : एक विवरण पत्र जिसमें अपेक्षित जानकारी दी गई है, सभा पटल पर रखा गया है [ग्रन्थालय में रखा गया **देखिए** संख्या एल टी 300/77]

गेहूं की पदावार

122. **श्री यज्ञदत्त शर्मा :**

श्री डी० डी० देसाई : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस वर्ष गेहुं की पैदावार गत तीन वर्षों की तुलना मे कम हुई हैं ;

(ख) यदि हां, तो इस वर्ष कितनी मात्रा में पैदावार कम हुई ;

(ग) कम पैदावार होने के क्या कारण हैं ; और

(घ) सरकार क्या उपचारात्मक कदम उठाने का विचार कर रही है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री प्रकाश सिंह बादल) : (क) से (घ) : गेहूं का उत्पादन करने वाले सभी राज्यों से अभी तक उत्पादन के अनुमान प्राप्त नहीं हुए हैं। तथापि वर्तमान संकेतों के अनुसार 1976–77 के दौरान गेहूं के कुल उत्पादन में पिछले वर्ष के 283.4 लाख मीटरी टन के रिकार्ड स्तर से अधिक अंतर होने की आशा नहीं है। 1974–75